जबलपुर

स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त 2025

मुख्य अतिथि

श्री जगदीश देवड़ा

माननीय उप मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश शासन

वित्त, वाणिज्यिक कर, योजना, आर्थिक एवं सांख्यकी विभाग

“बधाई संदेश”

स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर जिले के सभी नागरिकों को बधाई और शुभकामनाएं। आनंद और उमंग के इस अवसर पर अभी हमने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, का संबोधन सुना। प्रदेश की प्रगति और जन-कल्याण पर माननीय मुख्यमंत्री जी की दूरदर्शिता और ओजस्वी वक्तव्य ने निश्चित ही हम सबमें उल्लास का संचार कर दिया है।

स्वतंत्रता दिवस का अवसर हम सभी भारतीयों के लिए गर्व, सम्मान और देशभिक्त की भावना से भरा होता है। यह दिन हमें स्वतंत्रता संग्राम के उन वीर सपूतों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है, जिन्होनें देश को अंग्रेजी हुकूमत से आजादी दिलाने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया । जबलपुर का भी स्वतंत्रता संग्राम मे एक गौरवशाली इतिहास रहा है। यहॉ के श्री शंकर शाह जी और रघुनाथ शाह जी , सुश्री सुभद्रा कुमारी चौहान ,श्री माखनलाल चतुर्वेदी जी, पं0 श्री द्वारिका प्रसाद मिश्र और श्री सेठ गोविन्द दास जी जैसे स्वतंत्रता संग्राम सैनानियों का बलिदान हमें हमेशा याद रहेगा और हमें देश के लिए कुछ करने की प्रेरणा देता रहेगा।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के "आत्मनिर्भर और विकसित भारत" के विजन को लेकर माननीय मुख्यमंत्री जी ने "आत्मनिर्भर और विकसित मध्यप्रदेश" का जो रोडमैप बनाया है, उससे निश्चित ही प्रदेश प्रगति का नया अध्याय लिखेगा।

भाइयों और बहनों, माननीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन एवं माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में विकसित मध्यप्रदेश का लक्ष्य साकार करने के लिए विकसित जिले की संकल्पना और योजना के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। हमारे जिले की अपनी क्षमताएं, आकांक्षाएं, अवसर और चुनौतियां हैं। यही हमारे जिले को विशेष बनाती हैं।

बीता एक वर्ष जबलपुर जिले के समग्र विकास की दृष्टि से उपलब्धियों भरा रहा है। इस दौरान जिले में सड़कों और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के कार्यों से लेकर स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कार्य हुये हैं। समाज के हर वर्ग खास तौर पर महिलाओं, किसानों, मजदूरों और युवाओं को केंद्र में रखकर शासन द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन में भी जबलपुर जिले ने नये आयाम स्थापित किये हैं। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिल रहा है।

आम नागरिकों को बेहतर प्रशासन देने, नवाचारों को अपनाने में भी जबलपुर जिला प्रदेश में अग्रणी रहा है। इनमें पुस्तक मेला का आयोजन, राजस्व रिकार्ड रूम का अपडेशन, निवेश प्रोत्साहन केंद्र की स्थापना जैसे नवाचार प्रमुख हैं। इन नवाचारों की देश भर में चर्चा हुई और प्रदेश के कई जिलों ने इन्हें अपनाया भी है।

जबलपुर प्रदेश का पहला ऐसा जिला है जहाँ माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देश पर निजी स्कूलों की फीस वृद्धि को युक्तिसंगत करने की कार्यवाही की गई। इसके साथ ही स्कूली बच्चों एवं उनके अभिभावकों को महंगी कॉपी-किताबें, यूनिफार्म और अन्य शैक्षणिक सामग्री से राहत दिलाने हेतु प्रदेश में पुस्तक मेला के आयोजन की शुरुआत भी जबलपुर से ही हुई। इस वर्ष लगाये गये पुस्तक एवं गणवेश मेला में करीब 4 लाख स्कूली बच्चों ने लाभ उठाया। जिन कॉपी-किताबों को खरीदने में 5 हजार रुपये से अधिक खर्च होते थे, वहीं कॉपी-किताबें मेले में 2 हजार रुपये में उपलब्ध हो गईं। इस हेतु कलेक्टर जबलपुर बधाई के पात्र हैं।

माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, की मंशानुरूप निवेश को आकर्षित करने और प्राप्त निवेश प्रस्तावों पर त्वरित कार्यवाही कर विभिन्न अनुमतियां, सम्मतियां समय-सीमा में प्रदान करने हेतु जिला स्तर पर प्रदेश के पहले निवेश प्रोत्साहन केंद्र की स्थापना भी जबलपुर में ही की गई।

कलेक्टर कार्यालय के राजस्व रिकॉर्ड रूम के अपडेशन और इसे हाईटेक बनाने के नवाचार को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, की भी सराहना मिली है। इस अत्याधुनिक रिकॉर्ड रूम का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, के हाथों से ही हुआ। मुख्यमंत्री जी ने राजस्व रिकार्ड रूम के कायाकल्प की इस पहल को प्रशासन में पारदर्शिता लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। रिकार्ड रूम में अब राजस्व अभिलेखों को न केवल बैंको के लॉकर रूम की तरह सुरक्षित

रखा गया है बल्कि ऑनलाइन एप्लिकेशन के माध्यम से व्यवस्थित भी किया गया है। इस एप्लिकेशन से एक क्लिक के माध्यम से यह जाना जा सकता है कि कौन सा रिकार्ड किस रैक, किस शेल्फ और किस बॉक्स में रखा है। कोई भी नागरिक अपने राजस्व रिकार्ड की लोकेशन इस एप्लिकेशन से घर बैठे प्राप्त कर सकता है।

माढ़ोताल स्थित कृषि उपज मंडी से ग्राम ओरिया में मटर मंडी का स्थानांतरण प्रशासन की एक और ऐसी नवाचारी पहल है जिसे मटर उत्पादक किसानों एवं थोक व्यापारियों की सहमति से अमल में लाया गया। शहर के बाहर नई मटर मंडी की स्थापना से एक जिला-एक उत्पाद के तहत चयनित हरी मटर के क्रय-विक्रय में किसानों और व्यापारियों को आसानी हुई है।

महिला सशक्तिकरण राज्य शासन की हमेशा प्राथमिकता में रहा है। महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से स्वाबलम्बी बनाने की कई योजनाऐं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना तथा राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत स्व-सहायता समूह गठित कर महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ना प्रमुख है। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के तहत प्रतिमाह मिलने वाली राशि से महिलाएं घर की छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा कर रही हैं। कुछ ऐसी लाभार्थी बहनें भी हैं जिन्होंने योजना की मासिक किश्त को कई महीने तक बचाकर रखा और इकट्ठा हुई राशि से छोटा-

व्यवसाय शुरु कर दिया। जबलपुर से लगे ग्राम कुगवां की श्रीमती राजेश्वरी पटेल मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की एक ऐसी ही हितग्राही हैं, जिन्होंने हर महीने की किश्त को बैंक खाते में ही जमा रहने दिया और फिर गाय खरीदकर दूध का व्यवसाय शुरु किया। उनके पास एक गाय पहले से ही थी, लेकिन उसके दूध से केवल घर की जरूरत ही पूरी हो पाती थीं। आज उनके पास चार गाय हो गई हैं और दूध के व्यवसाय से उन्हें हर माह दस से पंद्रह हजार रूपये की आय हो रही है।

आजीविका मिशन के तहत गठित स्व-सहायता समूह से जुड़कर भी महिलाएं आत्मनिर्भर बनने के अपने सपने को साकार कर रही हैं। जबलपुर विकासखण्ड की ग्राम पंचायत जोगिढाना के ग्राम गोकलपुर की श्रीमती सपना काछी ओम शांति ओम आजीविका स्व सहायता समूह से जुड़कर ड्रोन पायलट बनीं। उन्हें प्रधानमंत्री नमो ड्रोन योजना अंतर्गत इंदौर और भोपाल में ड्रोन पायलट का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के बाद प्राप्त हुये ड्रोन से सपना काछी पिछले एक वर्ष में 550 एकड़ से अधिक फसल पर तरल उर्वरक और कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव कर लगभग 2 लाख 20 हजार रुपये की आय अर्जित कर चुकी हैं। ड्रोन के माध्यम से खेतों में दवा और तरल खाद का छिड़काव करने से उन्हें ड्रोन दीदी कहा जाने लगा है।

जिले में खेती की लागत को कम करने और किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से आधुनिक यंत्रों के इस्तेमाल के साथ-साथ जैविक खेती को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। बीते दो वर्षों में 12 किसानों को जैविक प्रमाणीकृत कृषि के प्रमाण पत्र प्राप्त हुए हैं तथा पाँच और किसानों ने इसके लिये पंजीयन कराया है। जिले के किसानों का हाईब्रिड मक्का और सुगंधित बासमती धान की ओर रुझान बढ़ रहा है। इस वर्ष किसानों द्वारा करीब 55 हजार हेक्टेयर में हाईब्रिड मक्का और लगभग 50 हजार हेक्टेयर में सुंगंधित बासमती की फसल ली जा रही है। नरवाई प्रबंधन को लेकर भी जबलपुर जिले में बेहतर कार्य हुआ है।

सड़क नेटवर्क का विस्तार, सड़कों का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण की दिशा में लगातार कार्य हो रहे हैं। जिले में कई बड़ी सड़क परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है। प्रदेश की सबसे लंबी रिंग रोड जबलपुर में बन रही है। प्रदेश के सबसे बड़े फ्लाई ओवर दमोह नाका-मदन महल का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो गया है। जल्दी ही इसका लोकार्पण भी होने जा रहा है। लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग के अंतर्गत जिले में पाँच नदी पुल और आठ रेल ओवर ब्रिज बनाये जा रहे हैं।

जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार भी तेजी से हुआ है। जिले में स्वीकृत 60 मुख्यमंत्री संजीवनी कलीनिक में से 55 का निर्माण कार्य पूरा हो गया है और 45 क्रियाशील हो गये हैं। पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा के अंतर्गत 10 मरीजों को

उपचार के लिये जबलपुर से एयरलिफ्ट कर प्रदेश और प्रदेश के बाहर उच्च स्वास्थ्य संस्थाओं में भेजा गया। आयुष्मान भारत योजना के तहत जिले में 11 लाख 86 हजार 725 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाये गये।

शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार के लिये जहाँ मेधावी बच्चों को लैपटॉप और स्कूटी की राशि प्रदाय की जा रही है, वहीं सांदीपनि स्कूलों का संचालन भी किया जा रहा है। जिले में वर्तमान में 15 सांदीपनी विद्यालय संचालित हैं, जबकि दस सांदीपनि विद्यालय भवनों का निर्माण किया जा रहा है। इनमें से बरेला, कुंडम एवं मझौली का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है और कक्षाओं का संचालन प्रारंभ हो गया है। जिले में 19 पीएम श्री विद्यालय भी संचालित किये जा रहे हैं, जहाँ प्री प्राइमरी कक्षाओं सहित, कम्प्यूटर लेब और आत्मरक्षा प्रशिक्षण सहित वर्ष भर कई गतिविधियां आयोजित की जाती हैं, ताकि विद्यार्थियों की अध्ययन में रुचि बढे।

शिक्षा के साथ खेलों का उल्लेख किया जाना भी जरूरी है। पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम, राइट टाउन और वीरांगना रानी दुर्गावती खेल परिसर रानीताल के अतिरिक्त जबलपुर को अंतरराष्ट्रीय स्तर का एक और खेल मैदान उपलब्ध हुआ है। रॉझी में 26.80 करोड़ रुपये से निर्मित इस खेल परिसर का इसी वर्ष फरवरी माह में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, ने लोकार्पण किया। इस खेल परिसर का नामकरण पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्व. ईश्वरदास रोहाणी के नाम पर किया

गया है। मध्यप्रदेश तीरंदाजी अकादमी को भी इसी खेल परिसर में शिफ्ट किया गया है।

वर्ष 2024 में पेरिस (फ्रांस) में आयोजित पैरालिम्पिक में जबलपुर की प्रतिभावान खिलाड़ी रुबीना फ्रांसिस ने 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में भारत को कांस्य पदक दिलाया। इस उपलब्धि के लिये उन्हें वर्ष 2024 में अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसी तरह तीरंदाजी अकादमी की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रागिनी मार्को को वर्ष 2025 में विक्रम अवार्ड से सम्मानित किया गया है। मध्यप्रदेश तीरंदाजी अकादमी, जबलपुर के पाँच छात्रों का चयन स्पोर्ट्स कोटे से शासकीय सेवा में हुआ है। इनमें अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज मुस्कान किरार, रागिनी मार्को एवं सृष्टि सिंह का चयन आयकर विभाग में तथा वितासा ठाकुर एवं अनुराधा अहिरवार का चयन रेलवे में हुआ है।

जिले को बीते एक वर्ष में मिली उपलब्धियों में नगर निगम जबलपुर को स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में देश के पाँचवे सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार प्राप्त हुआ। नगर निगम को स्वच्छ सर्वेक्षण में सेवन स्टार रैंकिंग, वॉटर प्लस, फ्री गार्बेज सिटी का दर्जा भी मिला है। वायु गुणवत्ता में जबलपुर को देश में दूसरा तथा प्रदेश में पहला स्थान हासिल हुआ है। नगर निगम जबलपुर को दीनदयाल अंत्योदय राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के क्रियान्वयन में बेस्ट परफार्मेंस बिग सिटीज स्पार्क में प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त हुआ है। इसी प्रकार आजीविका

मिशन के अंतर्गत ही स्वनिधि से समृद्धि में भी नगर निगम जबलपुर को प्रदेश में पहला स्थान हासिल हुआ है।

जबलपुर शहर में घर-घर नर्मदा जल पहुंचाने के लिए नगर निगम द्वारा 312 करोड़ की अमृत फेस-2 परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। वहीं जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले के ग्रामीण क्षेत्र में नल घर-घर नल कनेक्शन देकर जल आपूर्ति के लिये एकल ग्राम और समूह जल प्रदाय परियोजनाओं में तेजी आई है। जल जीवन मिशन के तहत जिले में 620 एकल ग्राम नल जल योजना स्वीकृत हुई हैं। इनमें से 447 योजनाएं पूर्ण कर 354 को ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित किया गया। एकल ग्राम योजनाओं में 1 लाख 28 हजार 568 घरों में नल कनेक्शन दिये गये हैं।

जबलपुर के नाम एक और उपलब्धि भी जुड़ने वाली है। भोपाल के वन विहार की तर्ज पर यहाँ एक आधुनिक चिड़ियाघर एवं वन्य प्राणियों के लिये रेस्क्यू सेंटर बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, द्वारा रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर की गई घोषणा के अनुरुप मदन महल पहाड़ी पर स्थित ऐतिहासिक ठाकुरताल क्षेत्र में बनाये जाने वाले इस जू और रेस्क्यू सेंटर को वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम से जाना जायेगा।

अपराधों पर नियंत्रण की दिशा में पुलिस ने बीते एक वर्ष में प्रभावी कार्यवाही की हैं । मादक पदार्थों का अवैध विक्रय और परिवहन कडाई से रोका गया है। विकसित मध्यप्रदेश के सपने को साकार करने का मार्ग जिलों से ही गुजरता है। आइए संकल्प लें कि हमारा जिला विकसित और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की आधारशिला बनेगा। हमारा संयुक्त सामर्थ्य एवं योजनाबद्ध प्रयास मध्यप्रदेश की शक्ति और पूंजी है। आप सबको इस अवसर पर पुनः स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं।

जय हिन्द -जय भारत।